पाठ्यक्रम

एम.फिल. प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व
एम.फिल. पाठ्यक्रम एक वर्ष का है। एम.फिल. परीक्षा की योजना निम्नानुसार होगी।

सत्र 2019–20

प्रथम सेमेस्टर

क्रमांक	प्रश्न पत्र	अंको का विवरण	सेमीनार	पूर्णांक
01	प्रा.भा.इति., सं. एवं पु. का स्रोत एवं शोध प्रविधि	80	20	100
02	इतिहास लेखन प्रविधि (हिस्टोग्राफी)	80	20	100
03	छत्तीसगढ़ क्षेत्र का प्राचीन इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व	80	20	10

द्वितीय सेमेस्टर

क्रमांक	परीक्षा का विवरण	अंको का विवरण	पूर्णांक
01	सेमीनार (सैद्धांतिक प्रश्न पत्र पर आधारित)	50	50
02	लघु शोध प्रबंध (अ) लेखन (ब) सेमीनार (लघु शोध प्रबंध पर आधारित) (स) मौखिक (लघु शोध प्रबंध पर आधारित)	 150 50 50	250

D. Nandini
31/6/22

प्रथम प्रश्न प्रत्र

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व के स्रोत एवं शोध प्रविधि

इकाई 01

(1) पारंपरिक इतिहास– वेद, महाकव्य एवं पुराण
(2) बौद्ध साहित्य
(3) जैन साहित्य
(4) विदेशी लेखकों का विवरण

इकाई 02

(1) कौटिल्य का अर्थशास्त्र
(2) बाणभट्ट का हर्षचरित एवं कल्हण की राजतरंगिणी
(3) पद्मगुप्त परिमल का नवसाहशांक चरित
(4) संगम साहित्य

इकाई 03

(1) प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत के रूप में अभिलेख
(2) प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत के रूप में सिक्के एवं मुहरें
(3) प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत के रूप में स्मारक, मूर्तियाँ तथा चित्र
(4) प्रागैतिहासिक काल के औजार एवं मृद्भांड अवशेष

इकाई 04

(1) शोध कार्य की प्रकृति एवं उद्देश्य
(2) शोध कार्य का विषय एवं प्रारूप निर्धारण
(3) शोध सामग्री का संकलन
(4) शोध प्रबंध का प्रारूप

इकाई 05

(1) अध्यायों का वर्गीकरण
(2) संदर्भो के लेखन का प्रारूप
(3) मानचित्र, रेखाचित्र एवं छायाचित्र
(4) संदर्भ ग्रंथ सूची, टायपिंग एवं बाईडिंग

D. Nandini
31/6/22

द्वितीय प्रश्न प्रत्र

प्राचीन भारतीय इतिहास लेखन विधि

इकाई 01

(1) इतिहास का अर्थ एवं प्रकृति
(2) इतिहास बोध
(3) इतिहास का उद्देश्य एवं महत्व
(4) इतिहास के उपकरण

इकाई 02

(1) प्राचीन भारत में इतिहास बोध, प्राचीन भारतीय साहित्यों में वर्णित भारत का भूगोल
(2) प्राचीन भारतीय साहित्य के संदर्भ में भारतवर्ष संबंधी आवधारणा

इकाई 03

(1) इतिहास पुराण परम्परा– गाथा, नाराशंसी
(2) सिंहली परम्परा– दीपवंश, महावंश

इकाई 04 प्राचीन भारतीय इतिहास का आधुनिक लेखन

(1) वी. ए. स्मिथ
(2) आर. जी. भंडारकर
(3) आर. सी. मजूमदार
(4) एच. सी. रायचौधरी
(5) डी. डी. कौशाम्बी
(6) आर. एस. शर्मा

इकाई 05 प्रमुख उत्खनित स्थल

(1) तक्षशिला
(2) लोथल
(3) कायथा
(4) सिरपुर

D. Nandini
31 61 22

तृतीय प्रश्न प्रत्र

छत्तीसगढ़ क्षेत्र का प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व

इकाई 01 प्राचीन छत्तीसगढ़ क्षेत्र के इतिहास के स्रोत

(1) साहित्यिक स्रोत
(2) पुरातात्विक स्रोत– सिक्के, अभिलेख, स्मारक, प्रतिमा, गुहा चित्र
(3) ह्वेनसांग का यात्रा विवरण
(4) छत्तीसगढ़ क्षेत्र का प्राचीन नाम एवं सीमाएँ
(5) छत्तीसगढ़ क्षेत्र की प्रागैतिहासिक संस्कृतियाँ

इकाई 02 छत्तीसगढ़ क्षेत्र का राजनैतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास (600 ई.पू.–450 ई. तक)

(1) महाजनपद काल
(2) मौर्यकाल
(3) सातवाहन एवं महामेधवाहन (खारवेल)
(4) गुप्त वाकाटक काल

इकाई 03 छत्तीसगढ़ क्षेत्र का राजनैतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास (450 ई.–800 ई. तक)

(1) नलवंश
(2) राजर्षितुल्यकुल
(3) शरभपुरीय राजवंश
(4) पाण्डुवंशीय राजवंश

इकाई 04 छत्तीसगढ़ क्षेत्र का राजनैतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास (800 ई.–1300 ई. तक)

(1) रतनपुर के कलचुरि शासकों के पूर्व की राजनैतिक स्थिति
(2) रतनपुर के कलचुरियों की राजनैतिक एवं सांस्कृतिक स्थिति

इकाई 05 कलचुरि शासकों के समकालीन अन्य राजवंश

(1) छिंदक नागवंश
(2) फणिनागवंश
(3) कांकेर के सोमवंशी शासक

D. Nandini
3/6/22

Syllabus

M. Phil – Ancient Indian History, Culture & Archaeology

Session 2019-20

Semester 1st

S. No.	Paper	Description of Marks	Seminar/ Presentation	Total
01	Sources of Ancient Indian History, Culture & Archaeology and Research Methodology	80	20	100
02	Ancient Indian Historiography: Methods	80	20	100
03	History, Culture & Archaeology of Chhattisgarh region	80	20	100

Semester 2nd

S. No.	Exam	Distribution of Marks	Total
01	Seminar (Based on theory paper)	50	50
02	Dissertation i. Documentation ii. Seminar (Based on Dissertation) iii. Viva voce (Based on Dissertation)	 150 50 50	250

D. Nandini
31/6/22

Paper I

Sources of Ancient Indian History, Culture & Archaeology and Research Methodology

Unit I

01 Traditional History – Vedas, Epic & Puranas
02 Buddhist Literature
03 Jaina Literature
04 Foreign accounts

Unit II

01 Arthashastra of Kautilya
02 Harshacharit of Banabhatt and Rajtarangini of Kalhan
03 Navsahasankcharit of Padmagupta Parimal
04 Sangam literature.

Unit III

01 Inscription as source of Ancient Indian History
02 Coins & Seals as source of Ancient Indian History
03 Monuments, Sculptures & Paintings as source of Ancient Indian History
04 Pre-Historic remains of Tools & Potteries

Unit IV

01 Nature and Objective of Research
02 Topic selection and Format of Research
03 Collection of Research Material/Data
04 Format of Research Dissertation

Unit V

01 Classification of Chapters
02 Format of Citation
03 Maps, Line Drawings and Photographs
04 Bibliography, Typing and Binding

D. Nandini

Paper II

Ancient Indian Historiography Methods

Unit I

01 Meaning and Nature of History
02 Historical sense
03 Objective and Significance of History
04 Tools of History

Unit II

01 Historical sense in Ancient India, Geography of India as mentioned in ancient Indian Literatures
02 Concept of Bharatvarsha as referred in ancient Indian Literature

Unit III

01 Tradition of Historical Puranas – Gatha, Narashansi
02 Sinhalese traditions – Deepvansha, Mahavansha

Unit IV **Modern historians of Ancient Indian History**

01 V. A. Smith
02 R. G. Bhandarkar
03 R. C. Majumdar
04 H. C. Raichaudhari
05 D. D. Kosambi
06 R. S. Sharma

Unit V **Major excavated sites**

01 Taxila
02 Lothal
03 Kaytha
04 Sirpur

D Nandini

Paper III

History, Culture & Archaeology of Chhattisgarh region

Unit I **Sources for studying ancient History of Chhattisgarh**

01 Literary Sources
02 Archaeological Sources – Coins, Inscriptions, Monuments, Sculptures and Rock paintings
03 *Travel account* of Hiuen *Tsang*
04 Ancient name and boundaries of Chhattisgarh region
05 Pre-historic cultures of Chhattisgarh region

Unit II **Political and Cultural history of Chhattisgarh region (600 B.C.E. to 450 A.D.)**

01 Mahajanpada period
02 Mauryan period
03 Satvahana and Mahamedhvahana (Kharvel)
04 Gupta Vakataka period

Unit III **Political and Cultural history of Chhattisgarh region (450 A.D. to 800 A.D.)**

01 Nalavanshis
02 Rajarshitulya Clan
03 Sharabhapuriyas
04 Panduvanshis

Unit IV **Political and Cultural history of Chhattisgarh region (800 A.D. to 1300 A.D.)**

01 Political condition before the reign of Kalachuri kings of Ratanapur
02 Political and Cultural condition of Kalachuris of Ratanapur

Unit V **Dynasties contemporary to Kalachuris of Ratanapur**

01 Chindak Nagavanshis
02 Phani Nagavanshis
03 Somavanshi rulers of Kanker